

109



**::आयुक्त (अपील) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा कर और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क::**  
**O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE,**



द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2<sup>nd</sup> Floor, GST Bhavan,  
रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road,  
राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com

**रजिस्टर्ड डाक ए. डी. द्वारा :-**

क	अपील / फाइल संख्या / Appeal / File No	मूल आदेश सं / O.O No	दिनांक / Date
	V2/50/GDM/2016	ST/218/2016-17	25.05.2016

5269 to 5293

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

**KCH-EXCUS-000-APP-022-2017-18**

आदेश का दिनांक / Date of Order:	<b>09.10.2017</b>	जारी करने की तारीख / Date of issue:	<b>11.10.2017</b>
------------------------------------	-------------------	--	-------------------

**कुमार संतोष, आयुक्त (अपील), राजकोट द्वारा पारित /**  
**Passed by Shri Kumar Santosh, Commissioner (Appeals), Rajkot**

ग अथवा आयुक्त/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर, राजकोट / जामनगर / गन्धिधाम) द्वारा उपरोक्तित जारी मूल आदेश से श्रुतिगत: /  
Arising out of above mentioned O/O issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise / Service Tax, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

घ **अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name & Address of the Appellant & Respondent :-**  
M/s. Ruchi Soya Industries Ltd., Room No. 11, 2nd Floor, Vandana Commercial, Centra, Plot No. 280, Ward No. 12/B, Ghandhidham, Dist. Kutch-370201

इस आदेश(अपील) से व्यथित कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।/  
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत नियमलिखित जगह की जा सकती है।/  
Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) विशेषीकरण मुद्दाओं के सम्बन्धित सभी मामलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, डेस्ट ब्लॉक नं 2, आर. के. पुरम, नई दिल्ली, को की जानी चाहिए।/  
The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बतलाने वाले अपील के अलावा शेष सभी अपीलें सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण (सेस्टाट) की पश्चिम बंगाल पीठिका, द्वितीय तल, बहामली भवन असावा अहमदाबाद- 380016, को की जानी चाहिए।/  
To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2<sup>nd</sup> Floor, Bhaumali Bhawan, Asawa Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपील न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित फिए गरी फॉर्म EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की रॉस, स्ट्याज की रॉस और लगाया गया स्ट्याज, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपए, 5,000/- रुपए अथवा 10,000/- रुपए का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति सलग्न करे। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपील न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सर्वजिनक बैंक के बैंक दफ्तार जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपील न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए अवेदन-पर के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।/  
The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac, 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-.

(B) अपील न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमवली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकती है एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में सलग्न करे (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की रॉस, स्ट्याज की रॉस और लगाया गया स्ट्याज, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपए, 5,000/- रुपए अथवा 10,000/- रुपए का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति सलग्न करे। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपील न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सर्वजिनक बैंक के बैंक दफ्तार जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपील न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए अवेदन-पर के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।/  
The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and Shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-.

- (i) वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धारा (2) एवं (2A) के अंतर्गत दायी की गयी अपील, सेवाकर नियमावली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.-7 में की जा सकती एवं उसके साथ आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पारित आदेश की प्रतियाँ संलग्न करे (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और आयुक्त द्वारा स्थापक आयुक्त अथवा उत्पाद शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवाकर, को अपीलीय न्यायाधिकरण को आवेदन करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। /  
The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST-7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.
- (ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय अधिकरण (सेस्टैट) के प्रति अपील के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एफ के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलीय अधिकरण में अपील करने समय उत्पाद शुल्कावकाश कर मांग के 10 प्रतिशत (10%), जब मांग एवं जुर्माना विवादित है, या जुर्माना, जब केवल जुर्माना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रुपए से अधिक न हो।  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत 'मांग किए गए शुल्क' में निम्न शामिल है  
(i) धारा 11 डी के अंतर्गत रकम  
(ii) सेनवेट जमा की गयी गलत राशि  
(iii) सेनवेट जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम  
- बशर्ते यह कि इस धारा के प्राधान्य वित्तीय (सं. 2) अधिनियम 2014 के अंतर्ग से पूर्व किसी अपीलीय अधिकारी के द्वारा विचारार्थन स्थापन नहीं एवं अपील को लागू नहीं होगी।  
For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores.  
Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include  
(i) amount determined under Section 11 D;  
(ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;  
(iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules  
- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.
- (C) भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :  
Revision application to Government of India:  
इस आदेश की पुनरीक्षण अधिकार निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथम परचक के अंतर्गत अवर सचिव, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन इकाई, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, धार्मिक मजिल, जीवन टॉप भवन, सरत मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। /  
A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:  
(i) यदि मांग के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी मांग को किसी कारखाने से भंडार गृह के परचमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह परचमन के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण में मांग के प्रसंस्करण के दौरान, किसी कारखाने या किसी भंडार गृह में मांग के नुकसान के मामले में। /  
In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse  
(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे मांग के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे मांग पर भरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छुट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। /  
In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.  
(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को मांग निर्यात किया गया है। /  
In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.  
(iv) दुर्निश्चित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो इटली कैंटीट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत लागू की गई है और ऐसे आदेश जो आयुक्त (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (सं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई तरीक अथवा स्थापक विधि पर या बट में पारित किए गये हैं। /  
Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.  
(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां फॉर्म संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत निर्दिष्ट है, इस आदेश के अर्पण के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदावगी के साथ के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। /  
The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the O/O and Order-in-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Chalan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.  
(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदावगी की जानी चाहिए।  
जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए।  
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.
- (D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपरोक्त दम में किया जाना चाहिए। इस दम के होते हुए भी की निष्ठा परी करके से बचने के लिए सहायिकि अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। /  
In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, not withstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filed to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.
- (E) यथासंशोधित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क डिफिट किया होना चाहिए। /  
One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.
- (F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्य विधि) नियमावली, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबंधित मामलों को सम्बन्धित करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। /  
Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.
- (G) उच्च अपीलीय अधिकारी को अपील दर्जित करने से संबंधित विषयक, विस्तृत और नवीनतम जानकारी के लिए, अपीलार्थी विभागीय वेबसाइट [www.cbec.gov.in](http://www.cbec.gov.in) को देख सकते हैं। /  
For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website [www.cbec.gov.in](http://www.cbec.gov.in)

**:: ORDER-IN-APPEAL ::**

M/s. Ruchi Soya Industries Ltd., Village: Mithirohar, Taluka: Gandhidham, Dist.: Kutch, Gujarat (hereinafter referred to as 'the appellant') has filed the present appeal against the Order-In-Original No. ST/218/2016-17 dated 25.05.2016 (hereinafter referred to as 'the impugned order'), passed by the Assistant Commissioner, Service Tax Division - Gandhidham-Kutch (hereinafter referred to as "the lower adjudicating authority").

2. Briefly stated facts of the case are that the appellant are holding Service Tax registration No. AAACR2892IST020. The appellant have filed an application for refund of service tax for Rs. 12,66,341/- covering period from March-2015 to July-2015, under Notification No. 41/2012-S.T. dated 29.06.2012 for consumption of export services during the export of castor oil by them. However, the lower adjudicating authority vide his impugned order rejected the refund claim of Rs. 12,66,341/-.

3. Being aggrieved by the impugned order, appellant preferred the present appeal, inter-alia, on the following grounds:

- (i) The appellant have submitted a certificate dated 02.11.2015 issued by Dilip Shrimal & Associates, Chartered Accountant certifying that the Appellant, has registered office at Goregaon (East) Mumbai and Head Office at Indore and the Services, mentioned in the invoices of the service providers, in the name of M/s. Ruchi Soya Industries Ltd. have been received by M/s. Ruchi Soya Industries Ltd and the said service, have been fully utilized in the export of goods, covered under the subject Shipping Bills.
- (ii) The appellant have set up manufacturing facilities in Kutch District and having registered office at Mumbai. The adjudicating authority erroneously denied the benefit of refund of service tax on the ground that the export documents are in the name of Head Office and / or registered office. The adjudicating authority has not taken cognizance of the C. A. Certificate.
- (iii) They have exported the goods and earned foreign exchange. It is mandate of the Government to reimburse all taxes and duties involved in export of goods and services, as the taxes are not to be exported. Thus the mechanism of Notification No. 41/2012-S.T. dated 29.06.2012 has been introduced. The said Notification grants refund of Service Tax

106

utilized for goods exported and when the facts of export of goods is not in dispute, refund claim cannot be disallowed on the ground that the export documents are in the name of head office or registered office.

- (iv) It is admitted in the impugned order that goods have been exported from various places like Kadi, Harij, Talaja, Palitana, Barwala, Gondal etc. and that the appellants are registered as manufacturer-exporter. There is no bar in exporting goods from a designated port and nowhere, in the provisions, it has been stated that the goods are to be exported from Gandhidham only. It is admitted fact that the goods have been exported and there is no logic or reason to deny the legitimate refund.
- (v) The appellant being manufacturer, operating under the control of Central Excise authorities and it cannot be held that the appellants have done trading activity etc for the purpose of denying the benefit of refund.
- (vi) The denial of refund dated 06.11.2015 is not just and proper.

4. A personal hearing in the matter was attended by Shri Johny John, Dy. Manager (Indirect Taxes) who reiterated the grounds of appeal. He submitted a written P.H. submission emphasize that since the goods have actually been exported and these services have been used for export of goods, refund under Notification 41/2012-S.T. should be allowed as their office at Gandhidham is registered at Sr. No. 38 of Importer Exporter Code issued by DGFT. No one appeared from the Department despite P.H. notices issued to them.

5. I have carefully gone through the facts of the case, the impugned order, the appeal memorandum and submissions made by the appellant during the personal hearing.

5.1 The issue to be decided in the present case is as to whether the appellant was eligible for Refund of Service Tax paid by them on services utilized for export of their goods, or not.

6. I find that the lower adjudicating authority has rejected the refund claim for services tax paid on "Terminal Handling Services" and "Inspection and Certification Services" by stating the below mentioned reasons:

- (a) The claimant is registered with IEC No. 0388133252 at its Mumbai address as Merchant/ Manufacturer.
- (b) The claimant is registered with Service Tax Registration No.

AAACR2892IST020 at Service Tax Division, Gandhidham for their manufacturing unit at Village: Mithirohar, Taluka: Gandhidham, ist.: Kutch, Gujarat.

(c) The documents submitted by the claimant show that the goods have been exported from various places like Kadi, Harij, Talala, Palitana, Barwala, Gondal etc. except Gandhidham.

(d) Therefore, from the documents submitted by the claimant it is not clear that the Trading activity has been made by Gandhidham unit of the claimant. The unit situated at Gandhidham is engaged in manufacturing activity and not in trading activity and in absence of documentary evidence that the exports were made by Gandhidham unit, it is not possible to sanction the claim. The bank account of transaction was said to be common and so no inference can be drawn as the claimant has many other manufacturing unit and claiming refund at Gandhidham was found not convincing.

7.1 On going through the impugned order, I find that neither Show Cause Notice has been issued nor reasonable opportunity of being heard given to the appellant for rejection of refund, which is a clear case of violation of principles of natural justice.

7.2 I find that this is a fit case to set aside the impugned order and allow the appeal by way of remand to lower adjudicating authority on this ground alone with direction to lower adjudicating authority to decide the matter after giving fair and reasonable opportunity to the appellant. The appellant is also directed to submit the required documents to the lower adjudicating authority for decision in the matter within one month from receipt of this order.

7.3 The Commissioner (Appeals) has power to remand as has been decided by the Hon'ble CESTAT in the case of CCE, Meerut Vs. Singh Alloys (P) Ltd. reported as 2012(284) ELT 97 (Tri-Del). I also rely upon decision of the Hon'ble Tribunal in the case of CCE, Meerut-II Vs. Honda Seil Power Products Ltd. reported in 2013 (287) ELT 353 (Tri-Del) wherein the similar views have been expressed in respect of inherent power of Commissioner (Appeals) to remand a case under the provisions of Section 35A of the Act. The Hon'ble Gujarat High Court in Tax Appeal No. 276 of 2014 in respect of Associated Hotels Ltd. has also held that even after the amendment in Section 35A (3) of the Central Excise Act, 1944 after 11.05.2011, the Commissioner (Appeals) would retain the power to remand.

7.4 Before parting with the case, I would like to record that the contention

of the appellant that the export has been made by their trading unit and not by their manufacturing unit is correct. Also, that their trading unit at Gandhidham is registered at Sr. No. 38 of Importer Exporter Code issued by DGFT and hence, the trading unit at Gandhidham is entitled to get refund of goods are exported, as claimed by the appellant, subject to claim made within time limit. Therefore, the impugned order rejecting refund is set aside and appeal is allowed by way of remand.

८. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।
8. The appeal filed by the appellant is disposed of in above terms.

*(Handwritten Signature)*  
 27/10/2017  
 (कुमार संतोष)  
 आयुक्त (अपील्स)

By R.P.A.D.  
 To,

M/s. Ruchi Soya Industries Ltd.,  
 Village: Mithirohar,  
 Taluka: Gandhidham, Dist.: Kutch,  
 Gujarat

मे. रुचि सोया इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड,  
 गाँव: मिठीरोहर, तेहसील: गांधीधाम, जिल्ला:  
 कच्छ.

Copy to:

- 1) The Chief Commissioner, CGST & CX, Ahmedabad Zone.
- 2) The Commissioner, CGST & CX, Gandhidham.
- 3) The Assistant Commissioner, CGST, Division, Gandhidham.
- 4) The Superintendent, CGST, Range, Gandhidham.
- 5) Guard File.